

अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी अजमेर

87/2019/223171

श्री/मा ५/५ शांति
हुक्म या कार्यवाही मय हस्ताक्षर

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
जारी हुए

तारीख

2019/87

पेशी

श्री ५.५ खंगारोल

श्री

14.8.25 पत्रावली पेश की गई। अग्रिमामुक्त अपीलान्त उप।
अग्रिमामुक्त अपीलान्त स्थो. स. 1 मे 14 रजि. स्त्री. नौमी
आवश्यक रूप से पेश करें। पत्रावली वास्ते तलमी
नौमी स्थो. स. 1 मे 14 रजि. स्त्री. रिफांड
11/3/25 को पेश हो 2

राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर, राज. 305

11.9.25 पत्रावली पेश की गई। अग्रिमामुक्त अपीलान्त उप।
पत्रावली पूरापुनार वास्ते तलमी नौमी स्थो. स.
1 मे 14 रजि. स्त्री. रिफांड 9.10.25 को पेश हो 2

राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर, राज. 305

9.10.25 पत्रावली पेश की गई। अग्रिमामुक्त अपीलान्त उप। अग्रिमामुक्त
अपीलान्त दोष स्थो. 6 रजि. स्त्री. नौमी आवश्यक
रूप से पेश करें। पत्रावली वास्ते तलमी नौमी स्थो
स. 1 मे 14 रजि. स्त्री. रिफांड 27/11/25 को पेश हो 2

राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर, राज. 305

27/11/25 पत्रावली पेश की गई। अग्रिमामुक्त अपीलान्त एवं
अपीलान्त उपस्थित नहीं। अग्रिमामुक्त अपीलान्त एवं अपीलान्त
को कई बार कठ-कठ कर आवाजे दिलाई गई।
किन्तु उपस्थित नहीं। अतः अपील अपीलान्त अटप हमरी
अटप फेरी में खासि की जाली है पत्रावली
कमल शुभार होकर नम्बर से फप है।

राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर, राज. 305



361
8.3.19

विनय विहार
अपील संख्या

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी,

अजमेर जिला अजमेर

अपील संख्या 27/2019

19100087

पेश की

अपील वाद

जॉल अपील

अमेर पेश

राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर

8/3/19

1. घीसा पुत्र मोती जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह.दूदू जिला जयपुर
2. मंगला पुत्र मोती जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह.दूदू जिला जयपुर
3. नन्दा पुत्र कालू जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह. दूदू जिला जयपुर
- नाथू कालू जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह. दूदू जिला जयपुर
5. गोपाल कालू जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह. दूदू जिला जयपुर

.....अपीलान्त

बनाम

1. शान्ति देवी पति रामलाल जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तह.दूदू जिला जयपुर

.....रेस्पोंडेन्ट

- | | | |
|--|---|---|
| <ol style="list-style-type: none"> 2. हनुमान 3. कल्याण 4. हीरालाल 5. जयराम | } | <p>पुत्रान नोरत जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तहसील दूदू जिला जयपुर</p> |
|--|---|---|

- | | | |
|---|---|--|
| <ol style="list-style-type: none"> 6. तेजू 7. काना 8. लालूराम 9. मदन 10. सुरेश | } | <p>पुत्रान गोरधन जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तहसील दूदू जिला जयपुर</p> |
|---|---|--|

- | | | |
|--|---|--|
| <ol style="list-style-type: none"> 11. रामचन्द्र पुत्र नारायण 12. श्योजी पुत्र कारू 13. भोलू पुत्र नारायण | } | <p>समस्त जाति कुम्हार निवासी पातुड़ी तहसील दूदू जिला जयपुर</p> |
|--|---|--|

14. श्रीमान् तहसील दार तहसील दूदू जिला जयपुर

.....प्रफोर्मा रेस्पोंडेन्ट

अपील अन्तर्गत धारा 223 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955.

विरुद्ध निर्णय एवं डिक्री श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी महोदय दू.

दिनांक 31.10.2018 अन्तर्गत प्रकरण संख्या 47/2015 उनवान शास्त्रि-

बनाम हनुमान व अन्य

महोदयजी,

प्रकरण के संक्षेप तथ्य निम्नानुसार प्रस्तुत है कि रेस्पोजेन्ट संख्या 01 ने एक वाद विरुद्ध रेस्पोजेन्ट संख्या 2 ल0 14 व अपीलार्थीगण के विरुद्ध प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आराजी जमाबन्दी सम्वत् 2071-2074 के खतौनी संख्या 135 के आराजी खसरा नम्बर 123, 125, 142, 143 कुल कित्ता 04 कुल रकबा 5.67 हैक्टेयर व खतौनी संख्या 135 के आराजी खसरा नम्बर 141 रकबा 2.45 हैक्टेयर वाले ग्राम पातुडी तहसील दू. जिला जयपुर में स्थित है। जिसमें वादी तथा प्रतिवादी संख्या 1 ल0 4 जमाबन्दी में दर्ज अनुसार खातेदार काश्तकार है एवं लगान अदा करते आ रहे हैं उपरोक्त आराजीयात वादी एवं प्रतिवादीगण की राजस्व रिकार्ड में अविभाजित आराजीयात है परन्तु मोके पर पक्षकारान ने बाहमी वंटवारा कर लिये है तथा पक्षकारान अपने अपने हिस्से की आराजीयात पर काबिज काश्त है। वादीनी द्वारा अपने हिस्से की आराजीयात जो 4 बीघा है मोके पर खसरा नम्बर 143 के उत्तरी दिशा व खसरा नम्बर 141 के मध्य में खसरा नम्बर 142 के लगवा काबिज है व इसी अनुसार पक्षकारान काबिज है और वंटवारा करवाने के अधिकारी है एवं दिनांक 26.5.2015 का वाद कारण उल्लेखित करते हुये वाद प्रस्तुत किया जिसमें प्रतिवादीगण की तलवी जारी की गई जो कभी भी प्रतिवादीगण/अपीलार्थीगण को प्राप्त नहीं हुई, न ही प्रपर तामिल हुई परन्तु माननीय अधिनस्थ न्यायालय द्वारा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाते हुये दिनांक 31.10.2018 को वाद मनमाने तरीके से डिक्री कर दिया जिससे व्यथित होकर अपीलार्थी अपील निम्नानुसार प्रस्तुत करता है।

1. यह कि माननीय अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व डिक्री दिनांक 31.10.2018 न्याय निर्णय के विपरित होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

